हिन्दुस्तान, 12-04-16

दो सदस्यीय कोरियन प्रतिनिधियों ने बिक्रमगंज स्थित एएस कॉलेज का लिया जायजा

कोरियन भाषा की शुरू होगी पढ़ाई

अच्छी खबर

बिक्रमगंज | निज संवाददाता

शाहाबाद प्रक्षेत्र के छात्रों के लिए एक अच्छी खबर है। अब कोरियन भाषा की पढ़ाई एएस कॉलेज बिक्रमगंज में शुरू होगी। इसके लिए दो सदस्यीय कोरियन प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को एएस कॉलेज का जायजा लिया। प्राचार्य डॉ. जवाहर लाल के साथ विचार-विमर्श भी किया।

प्रतिनिधियों ने बताया कि कोरियन कोरिया देश की मातृभाषा है। इसके विस्तार के लिए भारत में कोरिया सरकार दिल्ली, चेन्नई व पटना में शिक्षण केंद्र खोली है। विश्व के 44 देशों में कोरियन भाषा पढ़ाई जा रही है। बिहार में एएस कॉलेज चौथा सेंटर होगा। यह कोरियन भाषा का 90 वां अध्ययन केंद्र होगा।

प्रचार्य से हुआ विमर्श

- विश्व के 44 देशों में की जा रही है पढ़ाई, बिहार में होगा चौथा सेंटर
- दो साल का होगा कोर्स, होंगे चार सेमेस्टर, छह माह पर होगी परीक्षा

उन्होंने बताया कि कोरियन भाषा का कोर्स दो साल का होगा। चार सेमेस्टर होंगे। हर सेमेस्टर की परीक्षा छह माह पर होगी। नामांकन हर सेमेस्टर में छह हजार रुपए का शुल्क देने पर होगा। दो सेमेस्टर के बाद स्टेट टॉपरों को कोरिया सरकार कोरिया का मुफ्त दर्शन कराएगी।

क्या होगा फायदा: कोरियन प्रतिनिधि यून कियोंग जॉग व मिस्टर बेक हवन सेंग ने बताया कि बिहार में कोरिया की एलजी, समसंग, तुषांग इंजीनियरिंग आदि कई कंपनियां काम कर रही हैं। कोरिया भाषा का ज्ञान होने से लोगों को इन कंपनियों के अलावा मल्टीनेशनल कंपनी में भी रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। वे ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों पर कोरियन गाइड की भूमिका भी निभा सकते हैं। मौके बर्सर प्रो. संतोष कुमार सिंह, अक्षय लाल, अरुण कुमार आदि थे।

एएस कॉलेज बिक्रमगंज में सोमवार को प्रेसवार्ता के दौरान कोरियन प्रतिनिधि के साथ उपस्थित कॉलेज के प्राचार्य व अन्य। • हिन्दुस्तान